चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	22-12-22	4	1-6

चोट और मोच को ठीक करता है 'जख्मे हयात'

एचएयू के हर्बल गार्डन में लगे हैं औषधीय गुणों वाले तमाम पौधे, तीन दिवसीय पुष्प उत्सव में नागरिकों ने ली जानकारी

एचएयू की प्रदर्शनी में सजाए खिलौने से खेलता बच्चा। संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। अंग्रेजी दवाइयों के बढ़ते दुष्प्रभाव के बाद अब लोगों का झुकाव आयुर्वेदिक औषधियों की तरफ बढ़ने लगा है। ऐसे लोगों के लिए एचएयू के हर्बल गार्डन में काफी कुछ सीखने का अवसर है। यहां अपराजिता, अकरकरा, जख्मे हयात, वज्रदंती जैसी दुर्लभ प्रजातियों के पौधे हैं, जिसे आप गमले में उगा सकते हैं। वहीं राम व श्यामा तुलसी, शतावर, जंगली लहसुन, एलोवेरा आदि भी उपलब्ध हैं।

एचएयू की तीन दिवसीय पुष्प प्रदर्शनी में शहर के लोगों को काफी कुछ नया देखने को मिला। एग्रो टूरिज्म सेंटर में जहां विभिन्न प्रजातियों के फूल हैं, वहीं एयरोपोनिक व हाइड्रोपोनिक सिस्टम के जरिए किचन गार्डनिंग का नया विकल्प भी प्रदर्शित किया। डच बैकेट के जरिए भी बिना मिट्टी के सब्जियां उगाने की विधि बताई गई।

इसके अलावा हर्बल गार्डन में भी कई ऐसे औषधीय पौधे रोपित किए गए हैं, जिन्हें शहरवासी अपने घर में गमलों में उगाकर उपयोग में ला सकते हैं। डॉ. पवन कुमार ने बताया कि वज्रदंती की पत्तियों का प्रयोग श्वास रोग को ठीक करने में किया जाता है। इसके अलावा टूथपेस्ट बनाने में भी इसका प्रयोग होता है। ऐसे ही जख्मे हयात का पौधा चोट और मोच को ठीक करने के काम आता है। इसका उपयोग भी आयुर्वेदिक औषधियों में किया जाता है।

एचएयू में लगी अपराजिता। संवाद

पुष्प प्रदर्शनी में फूलों को निहारतीं छात्राएं। संवाद

एचएयू में लगी वज्रदंती।

अपराजिता के पौधे में एंटी ऑक्सीडेंट गुण अधिक होता है। आजकल इसके फूलों से बनी ब्लू टी का उपयोग शरीर के रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसी तरह से कोलियस का प्रयोग भी दवा निर्माण में होता है। अकरकरा का फल का स्वाद माउथ फ्रेशनर जैसा होता है। इसे दांतों की बीमारियों के इलाज के लिए प्रयोग में लाया जाता है।

तीसरे दिन भी दिखी भीड़

दो दिवसीय पुष्प उत्सव में शहरवासियों की जुटी भीड़ को देखते हुए एक दिन का समय और बढ़ाया गया था। बुधवार को भी दिन भर भीड़ रही। लोगों ने एग्रो टूरिज्म सेंटर में रखे हिमालयी व दक्षिण भारतीय क्षेत्र के फूलों के अलावा हिसार में सामान्य रूप से मिलने वाले फूलों की अलग-अलग प्रजातियों को देखा और उसके विषय में जानकारी ली। एग्रो टूरिज्म सेंटर के इंचार्ज डॉ. अरविंद ने बताया कि सैकड़ों लोगों ने इस दौरान फूलों की बिजाई के समय, प्रजाति, गुण आदि के विषय में जानकारी ली। तमाम लोग सपरिवार इस उत्सव में शामिल होने पहुंचे। वहीं स्कूली बच्चों ने भी आकर फूलों के विषय में जानकारी ली। इसके अलावा वनस्पति उद्यान में भी दिन भर चहल-पहल रही। लोगों में वहां लगाए गए विभिन्न प्रजाति के पौधों को लेकर खासी उत्सुकता दिखी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	20.12.22	3	1-4

भास्कर खास • हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2022 शुरू

अर्बन फार्मिंग, पेरी अर्बन, हाइड्रोपोनिक व एरो-पॉनिक सिस्टम से कम जमीन व कम पानी से फूल लगा अपने आशियाने को महका सकते हैं

भास्कर न्यूज़ | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सोमवार से दो दिवसीय शहरी खेती एक्सपो एवं पुष्प उत्सव 2022 की शुरुआत हुई। जहां 110 से अधिक वैरायटी के फूलों को एग्रो टूरिज्म सेंटर ने लगाए। इस बार खास उत्सव 4 थीम पर आधारित था। पहला, अर्बन फार्मिंग, दूसरा पेरी अर्बन, तीसरा हाइड्रोपोनिक और चौथा एरो-पॉनिक सिस्टम बेस। आने वाले समय में जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है, ज्योत घटती जा रही है। खासकर शहरी क्षेत्र में दिक्कतें बढ़ेगी। इसको लेकर इस बार एग्रो टूरिज्म सेंटर के वैज्ञानिकों ने लोगों को समझाया कि कैसे जहां कम जमीन हो और पानी की समय-सीमा निर्धारित न हो तो वहां इन नई तकनीक से खेती को बढ़ावा और रंग-बिरंगे फूल लगाकर आशियाने को महका सकते हैं।

समझिए, ये हैं वे 4 थीम, जिस पर पूरा कार्यक्रम आधारित रहा

अर्बन फार्मिंग- इस तकनीक से फूल और सब्जियां उगा सकते हैं, ताकि पौष्टिक आहार भी मिले और फूलों से सजा घर आकर्षक भी लगे। जिसके लिए घर के बैक-यार्ड गार्डन, स्ट्रीट लैंडस्केपिंग, वर्टिकल फार्म, फॉरेस्ट गार्डनिंग, घर की छत पर फूल लगाकर; ग्रीन वॉल्स, अर्बन बीकल्चरिंग, ग्रीन हाउस, एक्युप्याइस विधि शामिल है। घर के हर हिस्सा व कोने को जैसे किचन, सीढ़ियां, छत पर पौधे लगा सकते हैं।

पेरी अर्बन- जिस शहर को सब्जियां और फूलों की अधिक जरूरत होती है, लेकिन जमीन के अभाव में वहां न खेती कर सकते हैं और न फूल उगा सकते हैं तो उस स्थिति में संबंधित

शहर से दो से 3 किलोमीटर दूर जगह लेकर खेती कर सकते हैं। ताकि शहर में रहने वाले लोगों की जरूरतें पूरी की जा सकें, जोकि उस जगह पर खेती कर संभव नहीं थी।

हाइड्रोपोनिक सिस्टम- बिना मिट्टी व बिना मौसम के प्रभाव में आने के बावजूद वनस्पति उगाई जा सकती है। जिसमें पानी से भरी बाल्टी में छोटे-छोटे गमले बनाकर फिट किए जाते हैं, जिसे डच बैकेट भी कहा जाता है। जितनी पानी की जरूरत होगी, उतना ही पौधे को मिलेगा, शेष अपने आप रिस जाएगा।

एरो-पॉनिक सिस्टम- घर की बालकनी या फिर सीढ़ियों पर किसी खंभेनुमा चीज पर छोटे-छोटे गमले फिट किए जाते हैं। साथ एक टाइमिंग सिस्टम भी लगाया जाता है। तय समय-सीमा पर पानी का छिड़काव गमले के निचले हिस्से पर पौधे की जड़ में छिड़केगा, ताकि जरूरत के हिसाब से पौधे को पानी मिल सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	22-12-22	10	3-5

औषधीय खेती को बढ़ावा देंगे

हिसार। हकृवि ने आनुवांशिकी एवं पौधप्रजनन विभाग के अंतर्गत औषधीय, सुगंध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग ने आईसीएआर-डीएमएपी आनंद के सहयोग से औषधीय वाटिका में अनुसूचित जाति के किसानों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला कृषि विज्ञान केन्द्र सदलपुर, अंबाला, बावल व हिसार में आयोजित की गई। कार्यशाला के मुख्यातिथि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने किसानों से कहा कि किसानों को औषधीय, सुगंधित एवं क्षमतावान पौधों की खेती संबंधी हर प्रकार की जानकारी प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि वो अपने क्षेत्र में औषधीय, सुगंधित एवं क्षमतावान पौधों की खेती करते हैं तो विभाग तकनीकी जानकारी में सहयोग करेगा। एमएपी अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने औषधीय पौधों की हर्बल वाटिका बनाकर संरक्षण करते हुए सदुपयोग पर बल दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	22-12-22	2	1-3

आय का स्रोत बन सकती है औषधीय पौधों की खेती

एचएयू में औषधीय, सुगंधित एवं क्षमतावान फसलों की खेती पर हुई कार्यशाला

माई सिटी रिपोर्टर

एचएयू में औषधीय, सुगंध एवं क्षमतावान फसलों पर कार्यशाला में मौजूद अतिथि। विज्ञप्ति

हिसार। एचएयू में बुधवार को अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग की तरफ से औषधीय पौधों की खेती पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें औषधीय पौधों की खेती के लाभ व तरीके से अवगत कराया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि यह खेती किसानों के लिए आय का अतिरिक्त स्रोत बन सकती है। कार्यशाला एचएयू की औषधीय वाटिका के अलावा कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर, अंबाला व बावल में भी आयोजित की गई।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने कहा कि औषधीय और सुगंधित पौधों की खेती अब काफी लाभकारी हो गई है। तमाम हर्बल कंपनियां किसानों से सीधे अनुबंध कर पौधों व उसके विभिन्न अवयवों की खरीद करती हैं। यदि कोई किसान अपने क्षेत्र में औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती करते हैं तो उनको तकनीकी जानकारी प्रदान की जाएगी।

एमएपी अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने गांव में औषधीय पौधों की हर्बल वाटिका बनाकर संरक्षण करते हुए उनके सदुपयोग पर बल दिया। उन्होंने बताया कि अनुभाग मुख्य तौर से तुलसी, अश्वगंधा, एलोवेरा, इस्बगोल, मुलहठी, हल्दी, शतावर, बाकला, सफेद मुसली, रोशाघास व लेमनघास पर नवीनतम कृषि तकनीक किसानों को उपलब्ध करवा रहा है।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	22-12-22	3	7-8

रंगोली प्रतियोगिता में दिव्या व अंशिका रही प्रथम

विजेता छात्राओं को सम्मानित करते कुलपति व साथ में प्राचार्य सहित अन्य। • विज्ञप्ति

हिसार : चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बाटनी एवं प्लांट फिजियोलाजी विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय अर्बन फारमिंग एक्सपो और फ्लावर फेस्ट के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं हुई। इसमें फतेहचंद महिला कालेज की छात्राओं का प्रदर्शन प्रशंसनीय रहा। रंगोली प्रतियोगिता में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा दिव्या व बीकाम प्रथम वर्ष की अंशिका प्रथम रही। बीए तृतीय वर्ष की सिमरन व किरण ने तृतीय स्थान पर रहीं। आन दी स्पाट पेंटिंग व ड्राइंग प्रतियोगिता में बीए तृतीय वर्ष की संजू प्रथम व बीए प्रथम वर्ष की शिवानी द्वितीय स्थान पर रही। मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता में बीए तृतीय वर्ष की खुशी ने तृतीय स्थान पाया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	22-12-22	5	6-8

सलाह • एचएयू के वैज्ञानिकों ने खरपतवार नियंत्रण के लिए किसानों को दिए सुझाव

गेहूं की अच्छी पैदावार को खरपतवार पर नियंत्रण जरूरी

महबूब अली | हिसार

गेहूं रबी की महत्वपूर्ण फसल है और अगर समय पर खरपतवार नियंत्रण नहीं कर पाए तो इसकी पैदावार में गिरावट आ सकती है। इसलिए किसानों को चाहिए कि वे वैज्ञानिकों द्वारा खरपतवार नियंत्रण की सिफारिश को ध्यान में रखकर खरपतवारनाशी का प्रयोग करें। प्रदेश में धान-गेहूं फसल चक्र वाले क्षेत्रों में गुल्ली डंडा(कनकी) की समस्या के अलावा लोम्बड़ घास, जंगली पालक, पोआ घास, पीत पापड़ा, जंगली पालक, मैणा व मालवा की समस्या अधिक रहती है। दक्षिणी हरियाणा में जंगली जई, बाथू, खड़बाथू, गुल्ली डंडा, हिरणखुरी, मेथा, गजरी, प्याजी व कंटीली पालक खरपतवार का अगर गेहूं की फसल में समय पर नियंत्रण नहीं किया जाए तो 75 प्रतिशत तक पैदावार में कमी हो सकती है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि गेहूं की फसल की जरा सी देखभाल कर किसान अधिक आमदनी कमा सकते हैं। अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के गेहूं व जौ अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार के अनुसार हमेशा खरपतवारनाशियों की सिफारिश की गई मात्रा का ही प्रयोग करें।

खरपतवारनाशकों के प्रयोग में बरतें सावधानी

डॉ. टोडरमल के अनुसार खरपतवारनाशी की सिफारिश की मात्रा का छिड़काव 150-200 लीटर पानी में मिलाकर स्प्रे पम्प द्वारा करना चाहिए। गुल्ली डंडा(कनकी) की रोकथाम के लिए क्लोडीनाफोप 160 ग्राम प्रति एकड़ या पीनोक्साडेन 400 मिलीलीटर प्रति एकड़ या सल्फोसल्फ्यूरोन 13.5 ग्राम प्रति एकड़ का छिड़काव करें। फिनोक्साप्रोप, क्लोडीनाफोप व सल्फोसल्फ्यूरोन के साथ 2,4-डी, कारफैंट्राजोन या मैटसल्फ्यूरोन मिलाकर छिड़काव करने से कनकी व जई कम हो जाती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	22-12-22	5	2-4

हकृवि में औषधीय, सुगंध एवं क्षमतावान फसलों पर कार्यशाला आयोजित

डॉ. एस.के. पाहुजा कार्यशाला को संबोधित करते हुए।

हिसार, 21 दिसंबर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के अंतर्गत औषधीय, सुगंध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग ने आईसीएआर-डीएमएपी आनंद के सहयोग से औषधीय वाटिका में अनुसूचित जाति के किसानों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला कृषि विज्ञान केन्द्र सदलपुर, अंबाला, बावल व हिसार में आयोजित की गई। कार्यशाला के मुख्यातिथि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों को औषधीय, सुगंधित एवं क्षमतावान पौधों की खेती संबंधी हर प्रकार की जानकारी प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि वो अपने क्षेत्र में औषधीय, सुगंधित एवं क्षमतावान पौधों की खेती करते है तो विभाग उनको तकनीकी जानकारी प्रदान करने में सहयोग करेगा। एम.ए.पी. अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने गांव में औषधीय पौधों की हर्बल वाटिका बनाकर संरक्षण करते हुए उनके सदुपयोग पर बल दिया। उन्होंने बताया कि अनुभाग मुख्य तौर से तुलसी, अश्वगंधा, एलोवेरा, इसबगोल, मुलहठी, हल्दी, शतावर, बाकला, सफेद मुसली, रोशाघास व लेमनघास आदि फसलों पर नवीनतम कृषि तकनीक किसानों को उपलब्ध करवा रहा है।

कार्यशाला में सहायक वैज्ञानिक डॉ. राजेश कुमार आर्य ने किसानों को औषधीय पौधों की खेती, संरक्षण तथा उपयोग संबंधी जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के अंत में प्रतिभागी किसानों को औषधीय पौधों की खेती करने के लिए एक किट निशुल्क प्रदान की गई। इस अवसर पर डॉ. झाबरमल सुतालिया, डॉ. विपन कुमार और डॉ. रवि कुमार बेनिवाल उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि हिसार	22.12.2022	-----	-----

हकृवि में औषधीय, सुगंध एवं क्षमतावान फसलों पर कार्यशाला आयोजित

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के अंतर्गत औषधीय, सुगंध एवं क्षमतावान फसल

अनुभाग ने आईसीएआर-डीएमएपी आनंद के सहयोग से औषधीय वाटिका में अनुसुचित जाति के किसानों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला कृषि विज्ञान केन्द्र सदलपुर, अंबाला, बावल व हिसार में आयोजित की गई।

कार्यशाला के मुख्यातिथि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों को औषधीय, सुगंधित एवं क्षमतावान पौधों की खेती संबंधी हर प्रकार की जानकारी प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि वो अपने क्षेत्र में औषधीय, सुगंधित एवं क्षमतावान पौधों की खेती करते है तो विभाग उनको तकनीकी जानकारी प्रदान करने में सहयोग करेगा। एम.ए.पी. अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने गांव में औषधीय पौधों की हर्बल वाटिका बनाकर संरक्षण करते हुए उनके सदुपयोग पर बल दिया। उन्होंने बताया कि अनुभाग

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज	22.12.2022	-----	-----

सुगंध एवं क्षमतावान फसलों पर कार्यशाला आयोजित

प्रवीन कुमार

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के अंतर्गत औषधीय, सुगंध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग ने आईसीएआर-डीएमएपी आनंद के सहयोग से औषधीय वाटिका में अनुसुचित जाति के किसानों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला कृषि विज्ञान केन्द्र सदलपुर, अंबाला, बावल व हिसार में आयोजित की गई।

डॉ. एस.के. पाहुजा कार्यशाला को संबोधित करते हुए। आज समाज

कार्यशाला के मुख्यातिथि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठता डॉ. एस.के. पाहुजा ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों को औषधीय, सुगंधित एवं क्षमतावान पौधों की खेती संबंधी हर प्रकार की जानकारी प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि वो अपने क्षेत्र में औषधीय, सुगंधित एवं क्षमतावान पौधों की खेती करते है तो विभाग उनको तकनीकी जानकारी प्रदान करने में सहयोग करेगा।

एम.ए.पी. अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने गांव में औषधीय पौधों की हर्बल वाटिका बनाकर संरक्षण करते हुए उनके सदुपयोग पर बल दिया। उन्होंने बताया कि अनुभाग मुख्य तौर से तुलसी, अश्वगंधा, एलोवेरा, इसबगोल, मुलहठी, हल्दी, शतावर, बाकला, सफेद मुसली, रोशाघास व लेमनघास आदि फसलों पर नवीनतम कृषि तकनीक किसानों को उपलब्ध करवा रहा है।

कार्यशाला में सहायक वैज्ञानिक डॉ. राजेश कुमार आर्य ने किसानों को औषधीय पौधों की खेती, संरक्षण तथा उपयोग संबंधी जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के अंत में प्रतिभागी किसानों को औषधीय पौधों की खेती करने के लिए एक किट निःशुल्क प्रदान की गई। इस अवसर पर डॉ. झाबरमल सुतालिया, डॉ. विपन कुमार और डॉ. रवि कुमार बेनिवाल उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	22-12-22	1	6-8

एचएयू में बोनसाई पर शुरू होगा शॉर्ट टर्म कोर्स, स्किल डिवेलपमेंट कोर्स का प्रस्ताव

तैयारी : एबिक सेंटर से टाई अप करके युवाओं को दिया जाएगा स्टार्टअप

अर्बन एग्रीकल्चर एक्सपो एवं फ्लॉवर शो

यशपाल सिंह | हिसार

एचएयू में बोनसाई पर शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू किया जाएगा। फ्लोरिकल्चर पर भी स्किल डिवेलपमेंट के कोर्स शुरू करने के लिए प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं। यूनिवर्सिटी में चल रहे एबिक सेंटर के साथ इन कोर्सेस का टाईअप किया जाएगा, ताकि स्टार्ट अप करने वाले युवाओं के स्किल्स में बढ़ोतरी हो। बोनसाई को लेकर प्रपोजल तैयार है। यह कोर्स 15 से 30 दिन की अवधि के होंगे। शॉर्ट टर्म कोर्स में बोनसाई तैयार करने के लिए तकनीक, खाद, मिट्टी, दवा आदि की जानकारियां दी जाएंगी, साथ ही प्रेक्टिकल ट्रेनिंग भी होगी।

केंद्र सरकार की नई एजुकेशन पॉलिसी के अनुसार ये शॉर्ट टर्म कोर्स फ्रेम किए जा रहे हैं, ताकि युवाओं का ज्यादा से ज्यादा स्किल डिवेलपमेंट किया जा सके। यूनिवर्सिटी में एबिक सेंटर के जरिये भी नया स्टार्टअप करने वाले युवाओं की मदद की जाती है। यहां नए आइडिया पर ऋण दिलवाने से लेकर ट्रेनिंग तक की सुविधा है। ऐसे में युवाओं के लिए यह शॉर्ट टर्म कोर्सेस लाभदायी होंगे जो स्टार्टअप करना चाहते हैं लेकिन किसी फील्ड में ट्रेंड नहीं है या उस क्षेत्र की जानकारी का अभाव है। बोनसाई के अलावा दूसरे फ्लोरिकल्चर के भी

एचएयू की पुष्प प्रदर्शनी में गमले में लगाया गया 21 साल पुराना बोनसाई।

21 साल पुराना बोनसाई टहनियों से निकली जड़ें

एचएयू के अर्बन एग्रीकल्चर एक्सपो एवं फ्लावर शो में 21 साल तक पुरानी बोनसाई की किस्में प्रदर्शित की गई। इन बोनसाई की टहनियों से अब जड़े निकलना शुरू हो गई हैं। जिनसे नई पौध तैयार कर ज्यादा बोनसाई प्लांट्स विकसित किए जा सकेंगे। बॉटनिकल गार्डन के इंचार्ज डॉ. सुभाष काजला ने बताया कि इन जड़ों के जरिए नई किस्में विकसित की जाएंगी जो 5 साल में तैयार हो जाएं। सबसे पुरानी बोनसाई 21 साल की है पिलखन है।

फ्लॉवर शो में कैकट्स ने भी खींचा ध्यान

एचएयू के बॉटनिकल गार्डन में अर्बन एग्रीकल्चर एक्सपो एवं फ्लॉवर शो में फूलों के साथ कैकट्स के पौधों ने भी सबका ध्यान खींचा। फ्लॉवर शो में लेस अलो, ममीलेरिया, एकनथोक्स, एगेव जेम्निफ्लोरा को शामिल किया गया था। सीजियम, आर्किड पाइन, पेंसिल पाइन, रेड स्वीट, गोमी फंगस जैसे पौधे रेयर कैटेगिरी के शामिल किए गए थे। फ्लॉवर शो को दो दिन के लिए आयोजित किया गया था लेकिन लोगों की बढ़ती भीड़ के चलते इसे एक दिन और बढ़ाया गया था।

- नई एजुकेशन पॉलिसी के तहत फ्लोरिकल्चर के शॉर्ट टर्म कोर्सेस आरंभ किए जाएंगे। यह कोर्स 15 दिन से 30 दिन की अवधि के रहेंगे। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के निर्देशानुसार बोनसाई पर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	22-12-22	3	1

हकृवि में औषधीय, सुगंध एवं क्षमतावान फसलों पर कार्यशाला आयोजित

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के अंतर्गत औषधीय, सुगंध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग ने आइसीएआर- डीएमएपी आनंद के सहयोग से औषधीय वाटिका में अनुसूचित जाति के किसानों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला कृषि विज्ञान केन्द्र सदलपुर, अंबाला, बावल व हिसार में आयोजित की गई। कार्यशाला के मुख्यातिथि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके पाहुजा ने कहा कि किसानों को औषधीय, सुगंधित एवं क्षमतावान पौधों की खेती संबंधी हर प्रकार की जानकारी प्रदान कर रहे हैं। (जास)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	21.12.2022	-----	-----

हकृवि में औषधीय, सुगंध एवं क्षमतावान फसलों पर कार्यशाला हुई आयोजित

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के अंतर्गत औषधीय, सुगंध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग ने आईसीएआर-डीएमएपी आनंद के सहयोग से औषधीय वाटिका में अनुसुचित जाति के किसानों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला कृषि विज्ञान केन्द्र सदलपुर, अंबाला, बावल व हिसार में आयोजित की गई। कार्यशाला के मुख्यातिथि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों को औषधीय, सुगंधित एवं क्षमतावान पौधों की खेती संबंधी हर प्रकार की जानकारी प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि वो अपने क्षेत्र में औषधीय, सुगंधित एवं क्षमतावान पौधों की खेती करते है तो विभाग उनको तकनीकी जानकारी प्रदान करने में सहयोग करेगा। एम.ए.पी. अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने गांव में औषधीय पौधों की हर्बल वाटिका बनाकर संरक्षण करते हुए उनके सदुपयोग पर बल दिया। उन्होंने बताया कि अनुभाग मुख्य तौर से तुलसी, अश्वगंधा, एलोवेरा, इसबगोल, मुलहठी, हल्दी, शतावर, बाकला, सफेद मुसली, रोशाघास व लेमनघास आदि फसलों पर नवीनतम कृषि तकनीक किसानों को उपलब्ध करवा रहा है। कार्यशाला में सहायक वैज्ञानिक डॉ. राजेश कुमार आर्य ने किसानों को औषधीय पौधों की खेती, संरक्षण तथा उपयोग संबंधी जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर डॉ. झाबरमल सुतालिया, डॉ. विपन कुमार और डॉ. रवि कुमार बेनिवाल उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ-छोर	21.12.2022	-----	-----

रंगोली में दिव्या व अंशिका रही प्रथम

नभ-छोर न्यूज ▶▶ 21 दिसंबर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय अर्बन फार्मिंग एक्सपो और फ्लावर फेस्ट के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें फतेहचन्द महिला महाविद्यालय की छात्राओं का प्रदर्शन प्रशंसनीय रहा। रंगोली प्रतियोगिता में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा दिव्या व बीकॉम प्रथम वर्ष की अंशिका प्रथम रहीं। बीए तृतीय वर्ष की सिमरन व किरण ने तृतीय स्थान पर रहीं। ऑन द स्पॉट पेंटिंग व ड्राइंग प्रतियोगिता में बीए तृतीय वर्ष की संजू प्रथम व बीए प्रथम वर्ष की शिवानी द्वितीय स्थान पर रहीं। मेहन्दी रचाओं प्रतियोगिता में बीए तृतीय वर्ष की खुशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्राओं की इस उपलब्धियों पर प्राचार्या डॉ. अनीता सहरावत ने विजेता छात्राओं को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	22-12-22	2	1-6

फ्लोवर शो : तीन दिन कैंपस गार्डन में बिखरी फूलों की खुशबू, आज से बिक्री के लिए रखे जाएंगे फ्लावर

सिटी रिपोर्टर : एचएयू के बॉटनिकल गार्डन में तरह तरह के फूलों ने तीन दिन तक कैंपस को खुशबू से महका दिया। अब गुलदाउदी, फूलों के पौधे और औषधीय पौधे आज से बिक्री के लिए रखे जाएंगे। आमजन गार्डन से यह पौधे अपने गार्डन के लिए ले जा सकते हैं। बॉटनिकल गार्डन में डेलिया, सिनेरिया, बुगनविलिया, स्नेक प्लांट, ओक्स फर्न, स्पाइडर प्लांट, पेटूनिया, कैलेंडुला, कैक्टस आदि प्लांट मिलेंगे।

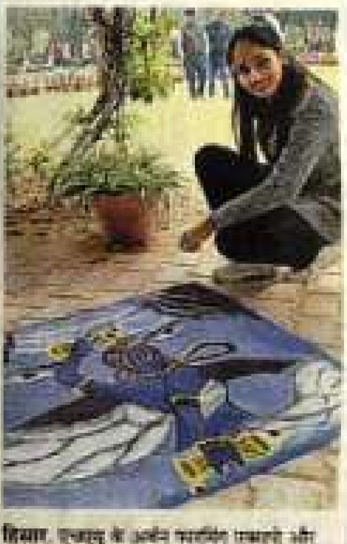

हिसार : एचएयू के अर्बन फार्मिंग एक्सपो और फ्लावर फेयर में एफसी कॉलेज की छात्रा बनाई गई रंगोली के साथ।

फ्लॉवर शो : रंगोली में एफसी कॉलेज की छात्रा दिव्या और अशिका अव्वल

सिटी रिपोर्टर - एचएयू के अर्बन फार्मिंग एक्सपो और फ्लावर फेयर में एफसी कॉलेज की बीएड प्रथम की दिव्या और बीकॉम प्रथम की अशिका ने रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। बीएड तृतीय की शिवानी व किरण तृतीय स्थान पर रहीं। ऑन द स्पॉट पेंटिंग व ड्राइंग प्रतियोगिता में बीएड फाइनल अंशु प्रथम व शिवानी द्वितीय स्थान पर रहीं। मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता में बीएड तृतीय वर्ष की खुशी तृतीय स्थान पर रहीं। प्राचार्य डॉ. अनीता मक्कासर ने विजेता छात्राओं को बधाई दी।